सीबीएसई
सीसीई आदर्श प्रश्नपत्र–2
हिंदी : पाठ्यक्रम 'ब'
प्रथम सत्र (संकलित परीक्षा–I)
(हल सहित)
कक्षा : दसवीं

समय : 3 घंटे *पूर्णांक : 90*

सामान्य निर्देश : *(i) इस प्रश्नपत्र के चार खंड हैं–'क', 'ख', 'ग' और 'घ'।*
(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क'
अपठित गद्यांश

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिये गए प्रश्नों के उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– (1 × 5 = 5)

यदि विवेक से काम लिया जाए तो भय नहीं रहता, पर युवा पुरुष प्रायः विवेक से कम काम लेते हैं। कैसे आश्चर्य की बात है कि लोग एक घोड़ा लेते हैं, तो उसके सौ गुण-दोष को परखकर लेते हैं, पर किसी को मित्र बनाने में उसके पूर्व आचरण और स्वभाव आदि का कुछ भी विचार और अनुसंधान नहीं करते। वे उसमें सब बातें अच्छी-ही-अच्छी मानकर पूरा विश्वास जमा देते हैं। हँसमुख चेहरा, बातचीत का ढंग, थोड़ी चतुराई या साहस–ये ही दो-चार बातें किसी में देखकर लोग उसे झटपट अपना मित्र बना लेते हैं। हम लोग यह नहीं सोचते कि मैत्री का उद्देश्य क्या है, क्या जीवन के व्यवहार में उसका कुछ मूल्य भी है। यह बात हमें नहीं सूझती कि वह ऐसा साधन है, जिससे आत्मशिक्षा का कार्य बहुत सुगम हो जाता है। एक प्राचीन विद्वान का वचन है, "विश्वासपात्र मित्र से बड़ी भारी रक्षा रहती है। जिसे ऐसा मित्र मिल जाए, उसे समझना चाहिए कि खजाना मिल गया।"

1. गद्यांश में प्रयुक्त "विवेक" का अर्थ होगा _____।
(क) ज्ञान (ख) विचार
(ग) सोच-समझ (घ) तर्क-वितर्क

2. घोड़े का उल्लेख किस लिए किया गया है ?
(क) मित्र का आचरण बताने के लिए (ख) मित्र की आवश्यकता समझाने के लिए
(ग) मित्र बनाने का उद्देश्य बताने के लिए (घ) मित्र की परख बताने के लिए

3. गद्यांश का शीर्षक होगा _____।
(क) विवेक (ख) गुण दोष
(ग) मित्र (घ) गुरु

4. मित्रता से कौन-सा कार्य सुगम हो जाता है ?
(क) आत्मनिर्भरता का (ख) आत्मविश्लेषण का
(ग) आत्मशिक्षा का (घ) आत्मचिंतन का

5. मित्र कैसा होना चाहिए ?
(क) अच्छे व्यक्तित्व का (ख) धन-संपन्न
(ग) विश्वसनीय (घ) वीर-बहादुर

उत्तर– 1. (ग) 2. (घ) 3. (ग) 4. (ग) 5. (ग)।

प्रश्न 2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए। (1 × 5 = 5)

जब व्यक्ति अपने-आप को नहीं देख पाता, तब हजारों समस्याएँ पैदा हो जाती हैं। इनका कभी अंत नहीं होता। गरीबी की समस्या हो या मकान और कपड़े की समस्या हो या अन्य समस्याएँ हों, वे सारी-की-सारी गौण समस्याएँ हैं, मूल समस्याएँ नहीं।

ये पत्तों की समस्याएँ हैं, जड़ की नहीं। पत्तों का क्या ? पतझड़ आता है, सारे पत्ते झड़ जाते हैं। वसंत आता है और सारे पत्ते आ जाते हैं, वृक्ष हरा-भरा हो जाता है। यह भी मूल समस्या नहीं है। मूल समस्या है कि व्यक्ति अपने-आप को नहीं देख पा रहा है। उसके पीछे ये पाँच कारण या समस्याएँ काम कर रही हैं। पहली मिथ्या दृष्टिकोण, दूसरी असंयम, तीसरी प्रमाद, चौथी कषाय और पाँचवी चंचलता।

एक प्रश्न है कि आदमी करोड़पति है, अरबपति है। वह अप्रामाणिक और अनैतिक व्यवहार करता है। क्या वह बुराई गरीबी के कारण करता है ? अभाव के कारण करता है ? क्या वह ऐसा रोटी-रोजी के लिए करता है ?

गरीब आदमी इतना अनैतिक नहीं होता, जितना अनैतिक एक धनी और अमीर आदमी होता है। समस्या धन की नहीं है। समस्या लोभ की है। यह सबसे बड़ी समस्या है। इसका समाधान नहीं खोजा जाता। समाधान खोजा जाता है--गरीबी का। वह कभी समाप्त नहीं होती। कुछ लोग बहुत धनी हो जाते हैं और कुछ अत्यधिक गरीब रह जाते हैं। जब पहाड़ है, तो गड्ढा अवश्य होगा। ऊँचाई है, तो निचाई भी होगी। सर्वत्र समतल नहीं हो सकता। क्या समानता हो सकती है ? यह असंभव नहीं है, पर जब तक मूल समस्या पर ध्यान नहीं दिया जाता, तब तक समस्या का समाधान नहीं मिल सकता।

1. अनैतिकता का प्रमुख कारण है _____।
(क) गरीबी (ख) अज्ञानता
(ग) लोभ (घ) निरक्षरता

2. हजारों समस्याएँ तब पैदा होती हैं जब मनुष्य _____।
(क) बहुत सोचता है (ख) अपने-आप को नहीं देखता
(ग) ऋणग्रस्त होता है (घ) दुखी होता है

3. मूल समस्या किसे माना गया है ?
(क) दृष्टिकोण की उदारता (ख) असंयम बढ़ना
(ग) चंचलता का बढ़ना (घ) स्वयं को न देखना

4. गरीबी की समस्या का समाधान तब तक नहीं हो सकता जब तक मनुष्य _____।
(क) कार्य पर ध्यान नहीं देते (ख) सोचता नहीं
(ग) असंयमी होता है (घ) मूल समस्या पर ध्यान नहीं देता

5. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक हो सकता है _____।
(क) मूल समस्याएँ (ख) दृष्टिकोण
(ग) जैन दर्शन (घ) अनैतिक व्यवहार

उत्तर– 1. (ग) 2. (ख) 3. (घ) 4. (घ) 5. (क)।

अपठित काव्यांश

प्रश्न 3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– (1 × 5 = 5)

मत काटो तुम ये पेड़, हैं ये लज्जावसन
इस माँ वसुंधरा के, इस संहार के बाद
अशोक की तरह सचमुच, तुम बहुत पछताओगे
बोलो फिर किसकी गोद में, सिर छिपाओगे

शीतल छाया फिर कहाँ से पाओगे ?
कहाँ से पाओगे फिर फल ?
कहाँ से मिलेगा
शस्य श्यामला को सींचने वाला जल ?
रेगिस्तानों में तब्दील हो जाएँगे खेत
बरसेंगे कहाँ से घुमड़कर बादल ?
थके हुए मुसाफिर
पाएँगे कहाँ श्रमहारी छाया ?

1. "शस्य श्यामला" से अभिप्राय है _____।
   (क) फसल (ख) धरती
   (ग) पर्वत श्रेणी (घ) नीला समुद्र
2. धरती की लाज को ढँकने वाले हैं _____।
   (क) पेड़-पौधे (ख) ऊँचे पर्वत
   (ग) फसलें (घ) समुद्र
3. "संहार" शब्द का आशय है _____।
   (क) धरती सूखना (ख) आतंकवाद
   (ग) मार-काट (घ) वृक्षों का विनाश
4. अशोक बहुत पछताए थे, क्योंकि _____।
   (क) राज्य छिन गया था (ख) बहुत लोग मारे गए थे
   (ग) बहुत पेड़ कटवा दिए थे (घ) बहुत धन गँवा दिया था
5. पेड़ों के न रहने पर खेत का रूप परिवर्तित हो जाएगा _____।
   (क) मैदान के रूप में (ख) बंजर धरती के रूप में
   (ग) रेत के रूप में (घ) बादल के रूप में

उत्तर– 1. (क) 2. (क) 3. (घ) 4. (ख) 5. (ग)।

प्रश्न 4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– (1 × 5 = 5)

धर्म का दीवट, दया का दीप,
कब जलेगा, कब जलेगा विश्व में भगवान ?
कब सुकोमल ज्योति से अभिषिक्त,
हो सरस होंगे, जली सूखी रसा के प्राण।
है बहुत बरसी धरित्री पर अमृत की धार,
पर नहीं अब तक सुशीतल हो सका संसार।
भोग लिप्सा आज भी लहरा रही उद्दाम
बुद्ध हों कि अशोक, गाँधी हों कि ईसु महान।
सिर झुका सबको, सभी को श्रेष्ठ निज से मान,
मात्र वाचिक ही उन्हें देता हुआ सम्मान।
दग्ध कर पर को, स्वयं भी भोगता दुख-दाह,
जा रहा मानव चला अब भी पुरानी राह।

1. कवि उस स्थिति की आशा नहीं कर पा रहा है, जब _____।
(क) ज्ञान का प्रकाश फैलेगा (ख) भौतिक बंधनों से मानव मुक्त होगा
(ग) दूसरों को सुख पहुँचाकर मानव सुखी होगा (घ) मानवता का नव-विकास होगा

2. कौन-सी प्रवृत्ति आज भी दुखों का कारण है ?
(क) अहिंसा व त्याग की (ख) भोग-विलास की
(ग) मानवता व समानता की (घ) सत्य व प्रेम की

3. अमृत रूपी शांति की धार बरसने पर भी संसार में क्या व्याप्त है ?
(क) नदियों की स्वच्छ धारा (ख) सच्चा सुख व शांति
(ग) अज्ञान, दुख व अराजकता (घ) प्रेम व भाईचारा

4. शांति व सुख की स्थापना तब होगी जब मनुष्य _____।
(क) कार्य करेगा (ख) बड़ों का आदर करेगा
(ग) नई राह पर चलेगा (घ) समानता रखेगा

5. मनुष्य गाँधी आदि महापुरुषों को वाचिक सम्मान दे रहा है, अर्थात् _____।
(क) उन्हें सिर झुकाता है (ख) उनका आदर करता है
(ग) उनके सम्मान का दिखावा करता है (घ) दुख भोगता है

उत्तर– 1. (क) 2. (ख) 3. (ग) 4. (घ) 5. (ग)।

खंड 'ख'

व्यावहारिक व्याकरण

प्रश्न 5. (क) "राम" शब्द को शब्द व पद के रूप में स्पष्ट करें। (1 × 4 = 4)
(ख) "सुंदर लड़की गीत गाती है।" वाक्य में से संज्ञा पद छाँटिए।
(ग) रमा की कल्पना में वह अद्‌भुत साहसी युवक था। रेखांकित पदबंध का प्रकार बताइए।
(घ) बालक रोता-रोता घर पहुँच जाता है। रेखांकित पदबंध का प्रकार बताइए।

उत्तर– (क) 'राम'–शब्द के रूप में – राम
पद के रूप में – मैं राम को पत्र लिखूँगा।
(ख) संज्ञा पद – लड़की, गीत।
(ग) विशेषण पदबंध
(घ) क्रियाविशेषण पदबंध

प्रश्न 6. (क) अरे वाह! तुम भी खाना बना सकती हो। रेखांकित पद का परिचय लिखिए। (1 × 4 = 4)
(ख) मेरे पास दो आम हैं। रेखांकित पद का परिचय लिखिए।
(ग) माधव आज आएगा। रेखांकित पद का परिचय लिखिए।
(घ) लड़का स्वेटर पहने था तथा उसके पाँव में जूता था। रचना के आधार पर वाक्य का भेद लिखिए।

उत्तर– (क) तुम–पुरुषवाचक सर्वनाम (मध्यम पुरुष), स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ताकारक।
(ख) दो–संख्यावाचक विशेषण (निश्चित संख्या), 'आम' विशेष्य का विशेषण।
(ग) माधव–व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग।
(घ) संयुक्त वाक्य।

प्रश्न 7. (क) शेर दिखाई दिया और सब लोग डर गए। मिश्र वाक्य में बदलकर लिखिए। (1)
(ख) जो वीर देशभक्त होता है वह ही सच्चा सपूत होता है। संयुक्त वाक्य में बदलकर लिखिए। (1)

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो का संधि-विच्छेद कीजिए– (2)
महर्षि, महौषध, सत्यार्थ

उत्तर– (क) जब शेर दिखाई दिया, सब लोग डर गए।
(ख) वीर देशभक्त होता है और वह सच्चा सपूत होता है।
(ग) संधि-विच्छेद–
महर्षि = महा + ऋषि
महौषध = महा + औषध
सत्यार्थ = सत्य + अर्थ

प्रश्न 8. (क) 'भाव + अनुसार' की संधि कीजिए। (1)
(ख) निम्न में से किन्हीं दो समस्तपदों का विग्रह कर भेद का नाम लिखिए– (2)
स्वर्गप्राप्त, चंद्रमुख, ग्रामगत, नीलगगन।
(ग) "युद्ध में वीर" का समस्तपद बनाकर भेद भी लिखें। (1)

उत्तर– (क) भावानुसार
(ख) स्वर्गप्राप्त – स्वर्ग को प्राप्त – तत्पुरुष समास
चंद्रमुख – चंद्र के समान मुख – कर्मधारय समास
ग्रामगत – ग्राम को गया हुआ – तत्पुरुष समास
नीलगगन – नीले रंग का गगन – कर्मधारय समास
(ग) युद्धवीर – तत्पुरुष समास

प्रश्न 9. (क) निम्नलिखित मुहावरे एवं लोकोक्तियों में से किन्हीं दो का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग करो कि अर्थ स्पष्ट हो जाए– (1 + 1 = 2)
(i) बाट जोहना (ii) सुध-बुध खोना
(iii) आँखें फोड़ना (iv) चिकनी-चुपड़ी बातें करना
(ख) रिक्त स्थान की पूर्ति उपयुक्त मुहावरे तथा लोकोक्ति द्वारा कीजिए– (1 + 1 = 2)
(i) राधा को चालाकी देखकर उसके पिताजी भी_____गए।
(ii) युवा पीढ़ी में देश-प्रेम_____भरना चाहिए।

उत्तर– (क) (i) बाट जोहना – मैं कल से आपके आने की बाट जोह रहा हूँ।
(ii) सुध-बुध खोना – मोहिनी ईश्वर की भक्ति में सुध-बुध खो बैठती है।
(iii) आँखें फोड़ना – परीक्षा की तैयारी में रातभर आँखें फोड़नी पड़ती हैं।
(iv) चिकनी-चुपड़ी बातें करना – तुम्हारी चिकनी-चुपड़ी बातें करने से मैं पिघलने वाली नहीं हूँ।
(ख) (i) सन्न रह।
(ii) का भाव भरना।

खंड 'ग'
पाठ्यपुस्तकें

प्रश्न 10. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– (1 × 5 = 5)

गिरि का गौरव गाकर झर-झर
मद में नस-नस उत्तेजित कर
मोती की लड़ियों-से सुंदर
झरते हैं झाग भरे निर्झर!

1. गिरि का गौरव-गान कौन कर रहा है ?
(क) पर्वत (ख) झरने
(ग) मोती (घ) बादल

2. नस-नस में उत्तेजना होने का कारण है _____।
(क) झरनों की आवाज (ख) बादलों की गर्जना
(ग) वर्षा की झड़ी (घ) बिजली की चमक

3. कवि ने गौरव गीत गाने की कल्पना किस आधार पर की है ?
(क) हवा की सरसराहट (ख) झरने के गिरने की ध्वनि
(ग) बादलों की गर्जना (घ) वर्षा के रूप में

4. कवि के अनुसार झाग कैसे प्रतीत होते हैं ?
(क) फूलों जैसे (ख) किरण जैसे
(ग) चित्र जैसे (घ) मोती की लड़ियों जैसे

5. 'निर्झर' शब्द का अर्थ है _____।
(क) वर्षा (ख) तालाब
(ग) झरना (घ) सागर

उत्तर– 1. (ख) 2. (क) 3. (ख) 4. (घ) 5. (ग)।

अथवा

स्याम म्हाने चाकर राखो जी,
गिरधारी लाला म्हाँने चाकर राखोजी।
चाकर रहस्यूँ बाग लगास्यूँ नित उठ दरसण पास्यूँ।
बिन्दरावन री कुंज गली में, गोविन्द लीला गास्यूँ।
चाकरी में दरसण पास्यूँ, सुमरण पास्यूँ खरची।
भाव भगती जागीरी पास्यूँ, तीनूं बाताँ सरसी।
मोर मुगट पीताम्बर सौहे, गल वैजन्ती माला।
बिन्दरावन में धेनु चरावे, मोहन मुरली वाला।

1. मीराबाई खरची के रूप में क्या चाहती है ?
(क) श्रीकृष्ण के दर्शन (ख) कृष्ण का स्मरण
(ग) बहुत-सा धन (घ) गुणगान करना

2. मीरा श्याम की चाकरी में पहला काम क्या करना चाहती है ?
(क) गोविन्द लीला गाना चाहती है (ख) पूजा करना चाहती है
(ग) बाग लगाना चाहती है (घ) कुसुम की माला बनाना चाहती है

3. मीरा की भक्ति किस भाव की थी ?
(क) प्रेम (ख) सखा
(ग) दास्य (घ) पति

4. कृष्ण का गुणगान मीरा कहाँ पर करना चाहती है ?
(क) मथुरा में (ख) वृंदावन में
(ग) राजमहल में (घ) घर-घर में

5. प्रस्तुत काव्यांश में कृष्ण के किस रूप-सौंदर्य को नहीं उभारा गया है ?

(क) मस्तक पर मोर मुकुट (ख) साँवला रंग

(ग) तन पर पीतांबर (घ) गले में माला

उत्तर– 1. (ख) 2. (ग) 3. (घ) 4. (ङ) 5. (ख)।

प्रश्न 11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर संक्षेप में दीजिए– (3 + 3 = 6)

(क) बड़े भाई साहब उपदेश देने की कला में निपुण थे, कैसे ? स्पष्ट करें।

उत्तर–बड़े भाई साहब उपदेश देने की कला में निपुण थे। वे अपने छोटे भाई को हर समय कोई-न-कोई उपदेश देते रहते थे। वे छोटे भाई को अपना उदाहरण देकर हर समय पढ़ने के लिए कहते रहते थे। वे कहते कि विद्वान बनने के लिए आँखें फोड़नी पड़ती हैं। कभी-कभी वे छोटे भाई को घर लौट जाने की सलाह भी देने लगते थे। उनकी बातें बाण की तरह चुभने लगती थीं। छोटा भाई उनके उपदेश सुनते-सुनते तंग आ जाता था।

(ख) लेखक की डायरी का एक पृष्ठ भावी पीढ़ी को किस प्रकार प्रेरित करता है ? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर–लेखक की डायरी का एक पृष्ठ भावी पीढ़ी को देश के प्रति बहुत प्रेरित करता है। इस पृष्ठ में उन्हें बताया गया है कि देश प्रेम के लिए त्याग भावना और कष्ट सहने की क्षमता का होना जरूरी है। वे नेताजी सुभाषचंद्र बोस के जीवन से प्रेरणा ले सकते हैं। सरकारी तंत्र शक्ति के बलबूते पर सत्याग्रह को कुचलने का प्रयास करता है, पर देशभक्तों को इसकी परवाह नहीं करनी चाहिए।

(ग) वामीरो कैसी युवती थी ? उसके कौन-से गुण पाठक का मन मोह लेते हैं ?

उत्तर–वामीरो एक सुंदर और सहृदय युवती थी। उसका गायन मधुर था। तताँरा उसका गीत सुनकर बेसुध हो गया। तताँरा उससे सम्मोहित हो गया था। वह लपाती गाँव की रहने वाली थी। तताँरा का अपने प्रति प्रेम देखकर वामीरो अपने हृदय में बेचैनी का अनुभव करने लगी। वह भी सच्चे मन से तताँरा को प्यार करने लगी। तताँरा के अलग होने पर वह बर्दाश्त नहीं कर पाई। वह उसे ढूँढ़ती हुई अनंत में विलीन हो गई।

प्रश्न 12. "तीसरी कसम" फिल्म की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (5)

उत्तर–**'तीसरी कसम' फिल्म की प्रमुख विशेषताएँ–**

– 'तीसरी कसम' फिल्म शैलेंद्र के जीवन की पहली और अंतिम फिल्म थी।

– इस फिल्म में राजकपूर और वहीदा रहमान ने बड़ा ही जीवंत अभिनय किया है। उसमें राजकपूर ने सर्वोत्कृष्ट भूमिका अदा की है।

– 'तीसरी कसम' फिल्म के गीत और इसका संगीत उत्कृष्ट कोटि का है।

– 'तीसरी कसम' फिल्म ने साहित्य-रचना के साथ पूरा न्याय किया है।

– यह फिल्म भावप्रवणता की दृष्टि से उच्च कोटि की है।

– 'तीसरी कसम' में राजकपूर का महिमामय व्यक्तित्व पूरी तरह से हीरामन की आत्मा में उतर गया है।

– यह फिल्म सैल्यूलाइड पर लिखी कविता के समान है।

अथवा

तताँरा-वामीरो की त्यागमयी मृत्यु से निकोबार में क्या सुखद परिवर्तन हुआ ? इस परिवर्तन से क्या शिक्षा मिलती है ?

उत्तर–तताँरा-वामीरो का आपस में गहरा प्रेम था, पर समाज ने इसे स्वीकार नहीं किया। इसका कारण था कि उन दोनों के गाँव भिन्न-भिन्न थे। अलग-अलग गाँवों के युवक-युवतियों का विवाह निषिद्ध था। इससे क्षुब्ध तताँरा ने तलवार घोंपकर द्वीप की धरती के दो टुकड़े कर दिए। एक ओर तताँरा था तो दूसरी ओर वामीरो थी। तताँरा समुद्र की सतह की तरफ फिसलता चला जा रहा था। वह लहुलुहान हो गया और बहता हुआ कहाँ जा पहुँचा, कोई नहीं जानता। वामीरो भी पागल-सी हो गई तथा कहाँ गुम हो गई, यह कोई नहीं जानता। उन दोनों ने अपना बलिदान दे दिया।

तताँरा-वामीरो की त्यागमयी मृत्यु से यह सुखद परिवर्तन आया कि अब दूसरे गाँवों में भी आपसी वैवाहिक संबंध होने लगे। तताँरा-वामीरो का बलिदान समाज के लिए भला सिद्ध हुआ।

प्रश्न 13. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

इन छह वर्षों के अंतराल में राजकपूर द्वारा अभिनीत कई फिल्में प्रदर्शित हुई, जिसमें सन् 1966 में प्रदर्शित कवि शैलेंद्र की 'तीसरी कसम' भी शामिल है। यह वह फिल्म है जिसमें राजकपूर ने अपने जीवन की सर्वोत्कृष्ट भूमिका अदा की। यही नहीं, 'तीसरी कसम' वह फिल्म है जिसने हिंदी साहित्य की एक अत्यंत मार्मिक कृति को सैल्यूलाइड पर पूरी सार्थकता से उतारा है। 'तीसरी कसम' फिल्म नहीं, सैल्यूलाइड पर लिखी कविता थी।

(क) 'तीसरी कसम' में प्रमुख अभिनेता कौन था ? (1)

(ख) राजकपूर और 'तीसरी कसम' का क्या और कैसा संबंध था ? (2)

(ग) लेखक ने सैल्यूलाइड पर लिखी कविता किसे और क्यों कहा है ? (2)

उत्तर–(क) 'तीसरी कसम' में प्रमुख अभिनेता राजकपूर थे।

(ख) 'तीसरी कसम' में राजकपूर ने अपने जीवन की सर्वोत्कृष्ट भूमिका अदा की थी। 'तीसरी कसम' के साथ राजकपूर का विशेष संबंध था। यद्यपि छह वर्ष के अंतराल में राजकपूर द्वारा अभिनीत कई फिल्में प्रदर्शित हुई, पर 1966 में प्रदर्शित शैलेंद्र की इस फिल्म में राजकपूर ने जीवंत अभिनय किया था।

(ग) लेखक ने 'तीसरी कसम' फिल्म को सैल्यूलाइड पर लिखी कविता कहा है। इस फिल्म को सैल्यूलाइड पर लिखी कविता इसलिए कहा गया है क्योंकि इसमें हिंदी साहित्य की एक मार्मिक कृति को पूरी सार्थकता के साथ इस प्रकार उतारा गया है कि यह फिल्म कविता की तरह मार्मिक और भावुक प्रतीत होती है। ऐसा लगता है कि सैल्यूलाइड पर कोई मार्मिक कविता रच दी गई हो।

अथवा

वह कुछ निर्णय नहीं कर पा रहा था। सिर्फ़ प्रतीक्षारत था। बस आस की एक किरण थी जो समुद्र की देह पर डूबती किरणों की तरह कभी भी डूब सकती थी। वह बार-बार लपाती के रास्ते पर नज़रें दौड़ाता। सहसा नारियल के झुरमुटों में उसे एक आकृति कुछ साफ हुई...कुछ और...कुछ और। उसकी खुशी का ठिकाना न रहा। सचमुच वह वामीरो थी। लगा जैसे वह घबराहट में थी। वह अपने को छुपाते हुए बढ़ रही थी। बीच-बीच में इधर-उधर दृष्टि दौड़ाना न भूलती। फिर तेज़ कदमों से चलती हुई तताँरा के सामने आकर ठिठक गई। दोनों शब्दहीन थे। कुछ था जो दोनों के भीतर बह रहा था। एकटक निहारते हुए वे जाने कब तक खड़े रहे। सूरज समुद्र की लहरों में कहीं खो गया था। अँधेरा बढ़ रहा था। अचानक वामीरो कुछ सचेत हुई और घर की तरफ दौड़ पड़ी। तताँरा अब भी वहीं खड़ा था....निश्चल....शब्दहीन।

(क) वे दोनों एक-दूसरे को क्यों निहार रहे थे ? (1)

(ख) वामीरो कब सचेत हुई और उसने क्या किया ? (2)

(ग) तताँरा अचानक क्यों खुश हो गया ? (2)

उत्तर–(क) तताँरा और वामीरो एक-दूसरे को शब्दहीन होकर बस निहारे जा रहे थे। उनसे कुछ भी कहते नहीं बन रहा था।

(ख) वामीरो तताँरा को एकटक निहारे जा रही थी। इस तरह काफी देर हो गई। जब सूरज समुद्र की लहरों में कहीं खो गया और अँधेरा बढ़ गया तब वामीरो कुछ सचेत हुई और वह घर की तरफ दौड़ पड़ी।

(ग) तताँरा काफी समय से वामीरो के आने की प्रतीक्षा कर रहा था। जब सहसा नारियल के झुरमुट से एक आकृति कुछ साफ हुई तब तताँरा की खुशी का ठिकाना न रहा। वह अपने सामने वामीरो को देखकर अचानक खुश हो गया।

प्रश्न 14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर लिखिए– (3 + 3 + 3 = 9)

(क) कवि के अनुसार हमें कैसी वाणी का प्रयोग करना चाहिए और क्यों ?

उत्तर–कवि कबीर के अनुसार हमें ऐसी वाणी का प्रयोग करना चाहिए जिसमें मन का अहंकार न झलकता हो। इस प्रकार की वाणी से अपना तन तो शीतल होता ही है, साथ ही दूसरों को भी सुख पहुँचता है। हमें मीठी और शांत वाणी का ही प्रयोग करना चाहिए।

(ख) बादलों के पंख लगाकर कौन उड़ा व कैसे ?

उत्तर–बादलों के पंख लगाकर भूधर अर्थात् पर्वत उड़ गया। पर्वत पारे समान धवल और चमकीले पंख लगाकर उड़ा। बादलों की अधिकता के कारण पर्वत गायब-सा हो गया और ऐसा लगा कि वह पंख लगाकर उड़ गया है। पर्वतों पर वर्षा ऋतु में ऐसा ही दृश्य उपस्थित हो जाता है।

(ग) 'तोप' कविता द्वारा कवि क्या संदेश देना चाहता है ?

उत्तर–'तोप' कविता के द्वारा कवि हमें यह संदेश देना चाहता है कि क्रूर सत्ता ज्यादा दिन तक टिक नहीं सकती। उसका अंत अवश्य होता है। ब्रिटिश काल की यह तोप भी उन अंग्रेजों की ताकत एवं क्रूरता का पर्याय थी, जो अब जा चुके हैं। अब तो यह बच्चों की घुड़सवारी अथवा पक्षियों के बैठने के काम आती है। जिस प्रकार इस तोप का आतंक लुप्त हुआ है वैसे ही हर अत्याचारी का अंत होकर ही रहता है। शासक वर्ग को इस तोप से प्रेरणा लेनी चाहिए कि यदि वह क्रूरतापूर्ण शासन करेगा तो जनता उसे उखाड़ फेंकेगी।

(घ) अधीर मीरा कृष्ण से मिलन के समय उन्हें किस रूप में देखना चाहती है ?

उत्तर–अधीर मीरा कृष्ण से मिलने के समय उन्हें साँवरिया के रूप में देखना चाहती है। उस समय वह कुसुम्बी साड़ी पहनना चाहती है। मीरा कृष्ण के दर्शनों के लिए अधीर है। वह ऐसे कृष्ण को देखना चाहती है जिसने मोर मुकुट पहन रखा हो, पीतांबर धारण कर रखा हो, उसके गले में वैजयंतीमाला हो, होठों पर मुरली हो तथा वह वृंदावन में गाय चरा रहा हो।

प्रश्न 15. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (3 + 3 = 6)

(क) हरिहर काका के हृदय में अपने परिवार के प्रति असहनीय रोष कब और क्यों उत्पन्न हुआ ?

उत्तर–हरिहर काका के हृदय में अपने परिवार के प्रति तब असहनीय रोष उत्पन्न हुआ जब घर में तो भतीजे के दोस्त के लिए स्वादिष्ट भोजन बना था, पर उनके सामने छोटे भाई की पत्नी ने रूखा-सूखा खाना-भात, मट्ठा और अचार लाकर परोस दिया। हरिहर काका बीमारी से उठे थे और उनका मन स्वादिष्ट भोजन के लिए बेचैन था। तीनों भाई भी अच्छा खाना खाकर खलिहान चले गए। रूखा-सूखा भोजन देखकर हरिहर काका के तन-बदन में आग लग गई। उन्होंने थाली उठाकर बीच आँगन में फेंक दी। उन्होंने घर की औरतों को खरी-खरी सुनाते हुए कहा–"समझ रही हो मुफ्त में खिलाती हो, तो अपने मन से यह बात निकाल देना। मेरे हिस्से के खेत की पैदावार इसी घर में आती है..... मैं अनाथ और बेसहारा नहीं हूँ। मेरे धन पर तो तुम सब मौज कर रही हो।"

(ख) 'हरिहर काका' कहानी समाज के किन पहलुओं की ओर ध्यान आकर्षित करती है ?

उत्तर–'हरिहर काका' कहानी समाज के निम्नलिखित पहलुओं की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करती है–

– समाज में धार्मिक स्थल पंडे-पुजारियों, महंतों के मौज-मस्ती के अड्डे बन गए हैं। वे जनता की अंधभक्ति व श्रद्धा का अनुचित लाभ उठाते हैं।

– समाज-परिवार में आपसी रिश्ते केवल धन पर आधारित होकर रह गए हैं। सभी पर स्वार्थ हावी हो रहा है।

– बुजुर्गों के प्रति सम्मान की भावना लुप्त होती जा रही है। केवल दिखावा ही शेष रह गया है।

(ग) ठाकुरबारी के महंत किस प्रकार के व्यक्ति थे ? उन्होंने काका के घर में हुए झगड़े का फायदा कैसे उठाया ?

उत्तर–ठाकुरबारी के महंत अत्यंत चालाक एवं धूर्त किस्म के व्यक्ति थे। वे मौके का भरपूर फायदा उठाना जानते थे। वे भक्तों को बहला-फुसलाकर उनकी संपत्ति हड़पने में कुशल थे। हरिहर काका के घर में हुए झगड़े का महंत ने भरपूर फायदा उठाया। हरिहर काका घर में अपने प्रति हुए अपमान से आहत होकर घर से बाहर निकले ही थे कि महंत ने उन्हें लपक लिया। महंत उन्हें ठाकुरबारी ले गया और लोक-परलोक की बातें समझाकर उनकी जमीन हथियाने के लिए उन पर दबाव बनाने लगा। उसने खाली कागजों पर काका से अँगूठा लगवा लिया।

मूल्य आधारित प्रश्न

प्रश्न 16. आपके विचार से हरिहर काका के न रहने पर उनकी संपत्ति किसे मिलनी चाहिए ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए। (4)

उत्तर–गाँव में हरिहर काका की संपत्ति के दो दावेदार उत्पन्न हो गए थे। एक तो महंत थे, जो ठाकुरबारी के नाम पर उनकी संपत्ति हथियाना चाहते थे। दूसरे दावेदार काका के भाई थे। वे पहले बहला-फुसला कर तथा बाद में मारपीट करके उनकी संपत्ति हड़पना चाहते थे। गाँव के एक नेता उनकी संपत्ति में 'हरिहर उच्च विद्यालय' बनवाना चाहते थे। जबकि हरिहर काका जीते जी किसी को अपनी संपत्ति नहीं देना चाहते थे। वे इन सबकी असलियत जान चुके थे। गाँव में तरह-तरह की अफवाहें फैलती रहती हैं।

हमारे विचार से हरिहर काका के न रहने पर उनकी संपत्ति का एक ट्रस्ट बना देना चाहिए। इसकी आय से समाज के परोपकार के काम किए जाने चाहिए। इस ट्रस्ट में गाँव के सम्मानित व्यक्तियों के अतिरिक्त काका के भाई भी ट्रस्टी बन सकते हैं। ठाकुरबारी के महंत को तो यह सम्पत्ति बिल्कुल नहीं मिलनी चाहिए।

अथवा

'हरिहर काका' कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि लेखक ने यह क्यों कहा, "अज्ञान की स्थिति में ही मनुष्य मृत्यु से डरते हैं। ज्ञान होने के बाद तो आदमी आवश्यकता पड़ने पर मृत्यु का वरण करने के लिए तैयार हो जाता है।"

उत्तर–लेखक ने ऐसा इसलिए कहा है क्योंकि हरिहर काका दोनों स्थितियों से गुजरते हैं। पहले वे अज्ञान की स्थिति में थे अतः मृत्यु से डर रहे थे, पर बाद में ज्ञान होने पर वे मृत्यु का वरण करने के लिए तैयार हो जाते हैं।

पहले हरिहर काका को महंत ने काफ़ी डराया-धमकाया। उनके अज्ञान का अनुचित लाभ उठाया। हरिहर काका अपनी संभावित मृत्यु से भयभीत हो गए थे। महंत ने उन्हें इस संसार को माया का बंधन बताया और कहा कि जमीन ठाकुरजी के नाम लिख देने पर मृत्यु के बाद भी उनकी कीर्ति अमर रहेगी। इससे उनका यह लोक और परलोक सुधर जाएगा।

यही स्थिति हरिहर काका के भाइयों ने उपस्थित कर दी थी। वे जमीन न लिखने की स्थिति में हरिहर काका को जान से मार देने की धमकी तक देने लगे थे।

बाद में हरिहर काका भोले-भाले किसान की अपेक्षा चतुर और ज्ञानी हो चले थे। अब हरिहर काका ने मन में निश्चय कर लिया था कि वे न तो महंत को अपने पास फटकने देंगे और न ही अपनी जिंदगी में अपनी जायदाद भाइयों के नाम लिखेंगे। अब वे मारने की धमकी की भी परवाह नहीं करते थे। वे कहते–"मुझे मार दो.....मैं मर जाऊँगा, लेकिन जीते जी एक धुर जमीन भी तुम्हें नहीं लिखूँगा, तुम सब ठाकुरबारी के महंत-पुजारी से तनिक भी कम नहीं।" अब वे मृत्यु का वरण करने को तैयार हो जाते हैं।

खंड 'घ'

लेखन

प्रश्न 17. दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए– **(5)**

(क) **आज की युवा पीढ़ी**

- भौतिकता की ओर आकर्षण
- भारतीय संस्कृति के प्रति घटती आस्था
- कुछ कर गुजरने की हिम्मत

(ख) **आतंकवाद और विश्व शांति**

- आतंकवाद क्या है
- आतंकवाद के कारण
- जूझने के उपाय

(ग) **सत्संगति**

- सत्संगति का अर्थ व प्रभाव
- संगति के रूप
- छात्र जीवन में महत्त्व

उत्तर–

(क) आज की युवा पीढ़ी

आज के युग पर भौतिकता का प्रभाव निरंतर बढ़ता जा रहा है। युवा पीढ़ी पर भौतिकता का आकर्षण जादू का सा असर कर रहा है। विज्ञान ने भौतिकता की प्रवृत्ति को बढ़ाया है। युवा पीढ़ी की भारतीय संस्कृति के प्रति आस्था निरंतर घटती जा रही है। युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति का कुछ पता ही नहीं है। भारतीय संस्कृति में त्याग भावना पर बल है। भोग और त्याग में समन्वय करना आवश्यक है। भौतिकता के प्रति युवा पीढ़ी के आकर्षण ने समाज में अनैतिकता को बढ़ावा दिया है। इसी से अशांति का वातावरण बना रहता है। टी.वी. ने भी भौतिकतावादी प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। यह ठीक है कि आज की युवा पीढ़ी में कुछ कर गुजरने की हिम्मत तो है, पर उसकी दिशा सही नहीं है। युवा पीढ़ी को सही दिशा देना जरूरी है। भौतिकता के प्रति बढ़ते आकर्षण को कम किया जाना चाहिए।

(ख) आतंकवाद और विश्व शांति

आतंकवाद दूसरों को भयभीत कर अपनी इच्छा लादने का एक तरीका है। कुछ सिरफिरे लोग गुमराह होकर निर्दोष लोगों की हत्या करके भय-आतंक का वातावरण उपस्थित करते हैं। आतंकवाद के कई कारण हैं। इसके राजनैतिक और धार्मिक दोनों कारण हैं। इससे विश्वशांति को खतरा उत्पन्न हो रहा है। शत्रु देश दूसरे देश को अशांत करने के लिए आतंक का सहारा लेते हैं। कुछ आतंकी समूह भी सक्रिय रहते हैं और समय-समय पर अपनी नापाक हरकतें करते हैं। इस प्रकार के आतंकवाद को दृढ़ इच्छाशक्ति से ही रोका जा सकता है। आतंकवादियों को कड़ा दंड दिया जाना आवश्यक है।

(ग) सत्संगति

'सत्संगति' शब्द का अर्थ है–अच्छे लोगों की संगति। जब हम भले लोगों के मध्य उठते-बैठते हैं तब हमारी संगति को सत्संगति कहा जाता है। जीवन में सत्संगति का बड़ा महत्त्व है। सत्संगति के प्रभाव को केले और स्वाति नक्षत्र की बूँद के उदाहरण में समझा जा सकता है। केले में पड़कर यह बूँद कपूर बन जाती है और सीप के मुँह में पड़कर मोती बन जाती है। जो व्यक्ति श्रेष्ठ जनों की संगति में रहता है, वह स्वयं भी श्रेष्ठ बन जाता है। सत्संगति के अनेक लाभ हैं। इससे मनुष्य में सद्गुणों का विकास होता है। सत्संगति हमें उदार, सहृदय और परोपकारी बनाती है। इससे असद्वृत्तियाँ नष्ट हो जाती हैं। सत्संगति से व्यक्ति को स्वयं तो लाभ पहुँचता ही है, साथ ही जाति, समाज और राष्ट्र को भी लाभ पहुँचता है। शिष्ट पुरुषों की संगति हर दृष्टि से वंदनीय होती है। सभी महान विचारकों ने कुसंगति की निंदा की है। कुसंगति काम, क्रोध, लोभ, मोह, स्वार्थ और भ्रष्टाचार की जननी है। हमें कुसंगति से बचने का हर संभव प्रयास करना चाहिए।

प्रश्न 18. मानस शर्मा, राजौरी गार्डन की ओर से नगर निगम के गृहकर अधिकारी को अपना गृह कर ठीक करने के लिए पत्र लिखिए। (5)

उत्तर–

सेवा में
गृहकर अधिकारी,
दक्षिण नगर निगम,
राजा गार्डन, नई दिल्ली

विषय–जे. 5/260 संपत्ति का गृह कर

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मेरे मकान का गृह कर निर्धारण (2012-13 के लिए) गलत ढंग से किया गया है। यह संपत्ति 60 वर्गमीटर में बनी है। इस पर A 2000/- वार्षिक गृह कर लगाया गया है। वर्तमान दरों के हिसाब से यह A 980/- बनना चाहिए।

आपसे विनम्र प्रार्थना है कि मेरी फाइल को पुनः देखा जाए तथा गृह कर को ठीक किया जाए। आपके द्वारा जारी नए माँगपत्र से मैं संशोधित गृह कर दो-तीन दिन में जमा कर दूँगा। आशा है आप मेरी प्रार्थना पर अवश्य ध्यान देंगे।

सधन्यवाद,

भवदीय

मानस शर्मा

जे-5/260, राजौरी गार्डन

नई दिल्ली-110027

दिनांक.....

अथवा

पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर शिकायत कीजिए कि आपके क्षेत्र में कुछ अजनबी, अनचाहे लोग घूम रहे हैं जिनसे लोगों में असुरक्षा और डर की भावना बढ़ रही है।

उत्तर–

सेवा में

पुलिस आयुक्त

(दक्षिणी क्षेत्र)

तिलक नगर, नई दिल्ली।

विषय–रघुवीर नगर क्षेत्र में संदिग्ध लोगों की आवाजाही

महोदय

मैं आपका ध्यान रघुवीर नगर क्षेत्र में अजनबी, अनचाहे लोगों के घूमते रहने की ओर आकर्षित कराना चाहता हूँ।

इस क्षेत्र में गत् पंद्रह दिनों से कुछ असामाजिक तत्त्व दिनभर इधर-उधर घूमते रहते हैं। इनकी गतिविधियाँ संदिग्ध प्रतीत होती हैं। कभी-कभी ये महिलाओं के गले से चेन झपटने की घटना को अंजाम दे देते हैं। इनके कारण इलाके की सुरक्षा को खतरा बना हुआ है। बीट कांस्टेबल से शिकायत तो की, पर वह इनके प्रति लापरवाह बना रहता है। इस क्षेत्र के लोगों को भय है कि कहीं किसी दिन कोई अनहोनी घटना न घट जाए।

अतः आपसे विनम्र प्रार्थना है कि इन अवांछित लोगों पर निगरानी रखकर इनसे पूछताछ की जाए और इन लोगों को इस क्षेत्र से बाहर निकाला जाए।

सधन्यवाद,

भवदीय

शशिकांत शर्मा

संयोजक, रघुवीर नगर परोपकारी संघ,

नई दिल्ली

दिनांक.....